मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-133

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

बी.एस.के.सी.-133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—

15×2=30

(क) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते

स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे।

राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मितः

स्वः पुत्रः कुरुते पितुर्यदि वचः कस्तत्र भो विस्मयः॥

P. T. O.

अथवा

एते ते देवतानामसरपरबधे गच्छन्त्यभिसरी–

मेते ते शक्रलोके सपरजनपदा यान्ति स्वसकतैः।

एते ते प्राप्नवन्तः स्वभजबलजितां कत्स्नां वसमती–

मेते ते मत्यना ये चिरमनवसिताश्छन्दं मगयता॥

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया

कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः

पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

अथवा

उदगलितदर्भकवला मृग्यः

परित्यक्तनर्तना मयूराः।

अपसृतपाण्डुपत्राः

मुञ्चन्त्यश्रूणि लताः॥

खण्ड—ख

(लघ उत्तरीय प्रश्न)

2. संस्कत नाटकों की उत्पत्ति के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।

3. 'प्रकरण' की परिभाषा देते हुए प्रमख प्रकरणों के उदाहरण बताइए।

4. अपवारित क्या है ? लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए।

5. 'प्रतिमानाटक' की कथावस्त कहाँ से ली गयी है ? कथावस्त की विशेषताओं सहित बताइए।

6. 'नाटकों में अभिज्ञानशाकन्तलम श्रेष्ठतम है।' अपने विचार लिखिए।

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. भास की नाटयशैली की समीक्षा कीजिए। 10

8. 'उपमा कालिदासस्य' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 10

9. 'प्रतिमानाटक' की प्रमख विशेषताएँ बताइए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3=15

(क) इतिवत्त

(ख) पर्वरङ्ग

(ग) प्रस्तावना

(घ) प्रवेशक